



नमः शिवाय नमः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीदशैकान्तिका देवी ह्रीं कुरु ॥ धार १० जय गुरु नमः
जगत्तन्मा मंत्र ॥ ॐ शिवाय नमः ॥ धार २१ जय गुरु
ईशमनरुही गुरु ह्रीं कुरु ॥ धार २१ जय गुरु
मार्गमार्गः तारं जं नमः सते ॥ ॐ शिवाय नमः ॥
ॐ सुरपाय नमः को देवी को ॥ धार ३० जय गुरु
नमः नमः नमः नमः नमः नमः ॥ धार ३० जय गुरु

नमः शिवाय नमः
नमः शिवाय नमः

चाः ॥ धार १० जय गुरु नमः ॥ धार १० जय गुरु
धुधुपाती ह्रीं कुरु स्वाहा ॥ धार १० जय गुरु
ॐ अतन हो ह्रीं कुरु स्वाहा ॥ धार १० जय गुरु
ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं प्रयाग यथा स्वाहा ॥ धार १० जय गुरु
यानाववोकसी होले वोकसि चरिये गुरु वने नमः ॥ धार १० जय गुरु
ॐ देवकुमारी ॐ को नमः कुमारी ह्रीं कुरु स्वाहा ॥ धार १० जय गुरु
फकोतार नमः नमः ॥ ॐ श्रीगुरु आग्या ॐ हनत नमः
गीते स्वाहा ॥ धार २१ जय गुरु नमः नमः नमः नमः नमः
ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १० ॥ नमः नमः ॥ १० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
धार १० नमः नमः नमः नमः ॥ १० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
धार १० नमः नमः नमः नमः ॥ १० ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

या अक्षरसोमया के जल ॥ १३ ॥ ॐ माहापीसा सोनी अक्षर
री अनी कर धरा यज्ञं ज्ञं स्वाहा ॥ १४ ॥ जपाः सत पुष्प के ८
मीरी सप्त भाग याना कली सनी नावती च केः धर्मनी
आषि जप याना कये केः भो उषो य के जल ॥ १४ ॥ ॐ न
मो अंगार य धरनी स्वाहा ॥ १५ ॥ जपः च वत्मान स्व
वीर जहा कुमतीया ही नी नावती येः उले उषो य धो ॥
॥ १५ ॥ ॐ सो छी उरु आग्नाः ॐ धो रावा वार उषो उषी
आमा हा देव की वाचाः धारः २ चाकु जपानी सान के व
स्व ॥ १६ ॥ ॐ उरु आग्ना ॐ के मा छं छं सी द्वि व ज्ञो
नी स्वा जपाः ॥ धारः फको पाये चीम कल स भुम
मी सानं म पंतले धु उरु य ॥ १७ ॥

ॐ हनु मंत वारमाः वृत्त वतं जं फूट्वा हा ॥ धारः १ जपः
जाकी होले अत प्रेत वं धरा य वो कली स कती जीवः
॥ १८ ॥ ॐ उरु आग्नाः ॐ सी छी छी छी छी प्रजा सी
व धना य जं जं फूट्वा हाः धारः १०० जपः वो कली
चील के म व पुये ॥ १९ ॥ ॐ म छी उरु हं लं फूट्वा
हाः ॥ धारः १ जपः उषी स म व या ना गारे या य स की य
छो ते जप ॥ २० ॥ ॐ उरु आग्नाः अलु जो गीनी की आ
ग्नाः पंच जो गीनी प र्ग जो गीनीः दा गी सी श्री मी तु ह
त तं स्वाहा ॥ धारः १० जपः फे न उषी स भुमीः को उग उ
रु या व म व या ना व तो न केः अवि चार या ना लः ल न

न ताना हलसाः उ शीन धलतीसः की प्रावः लते क ह
ना ववी य स नू न यातः चीन स ड पी स तूरः या ची ल्य
कः स्वाय ना रं ड पी स मी व ड यः स क सां या मी स ते
न ष ॥ २१ ॥ ॐ नमोः गोर घना धाय सः स ते मो हो नीः
र जामा हो नीः प्र जामो हो नी दे के वी भु जर छा दी
हुं जाः धारः ७ वी भु मी व या यः ची की न जी व ध्या ल
स ड य ॥ २२ ॥ ॐ नमः ७ रू आ ग्याः आ फु ल मं त्र फ
द स्ना ल ॥ धारः ३ ड ये ५ व ३ प्रा लु ल याः पो ल व
व या धो मी व न ड य ड यः न नी ला यु जु लः ॥ २३ ॥
अ ह द य २ वु जा अ गि मो चो य डं फ द स्ना हा ॥

धारः ७ मी ड या का क नी ड याः ड य ॥ २४ ॥
वा चाः धारः ९ सी तु त्वा न स ड यः वी न न्या क प्रा व
ची न्या क या मारं ॥ २५ ॥ ॐ नमो की पु त्र अ लु क
आ ड डं फ द ॥ धारः २९ ॐ गं कुं य हा क ले ह स्ना
न ष योः ना पं मी स ड ये मी सा पी फा ये जु ल ॥ २६ ॥
मालः म धे स वा ये आ योः धौ की लु न के रेः धौ कीः
रु प के रे भु त् म ए सा ल स ड य धारः लु का वृ ह्ने जा र
ला गः कु रू मी व र् इ त्च र मा हां दे व की वा चाः दे र
ज पि हा रं धौ ॥ २७ ॥ ॐ वा लु मी ना ग रा ज मे स्वा
हा न व ड र्ग य न मः धाय माल धारः ७ मी वा स्ना
ड ये ॥ २८ ॥ ॐ ल ल च स्वा हाः धारः २ ज प ड ये

नयातिकाये ॥ २५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॥
 २१ जपलपतो न केः अभिचारको धय ॥ ३० ॥ ॐ स स
 तं मया आसद् ईर्षं कद्रुस्वाहा ॥ धार १ ॥ ध्वलकव
 चयाय ॥ ३१ ॥ ॐ प्रणामं देनासयस्वाहा ॥ धार १
 वसलसं पुये वासलः शुतीतषा वोसीः मीकुसीः
 मुसा नलीना पछ्याये मनुं या छे मव्वक प्याय
 जाको फाय ॥ ३२ ॥ ॐ गुरु आग्नाः ॐ ईका ई ई
 सा द्विवत्र जोगि स्या आग्नाः ॥ धार फकोः चीन
 सकल स मुये के थोमी नं मरंत लेजु ॥ ३३ ॥ ॐ ह
 री वजरंगः नमी सिद्धिः सैवः सयल कर वजरंगः आ
 फ नारयल कर वजरंगः नमतः वनी वास आर्डः

मेमरेः कौः मारेः ऐही का कोतः तां मां का कोठाः तनः
 ना एषोः जीय हमारः मर धरि जरेता एः वली व्रत
 हरी मीतः सदाः रषु वा एः ॥ धार ५ ॥ ३४ ॥ ॐ श्री गुरु
 आग्नाः घाते वां धुं वाते वां धुं जले वां धुं थले वां धुं
 सुये वां धुं चंद्र वा धुं चारे चो दी सा वा धुंः अग्नि
 वां धुंः अत प्रेत वां धुं मोर मसान वां धुं वो कसी वा
 हीनी वां धुं वाग् वां धुं भालु वां धुं ईत्वर महादे
 वकी वाचा सुन ॥ तार दी ग्वं धं सक ता यातं जीव ॥
 ॥ १ ॥ ॐ श्री गुरु आग्नाः ॐ क्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं कद्रु स्वा
 हाः ॥ धार १०८ जप भई माण ए नी राणी नाई लेष
 त फु कुरु रू प मंत्रः ॥ २ ॥ ॐ श्री गुरु आग्नाः ॐ चै

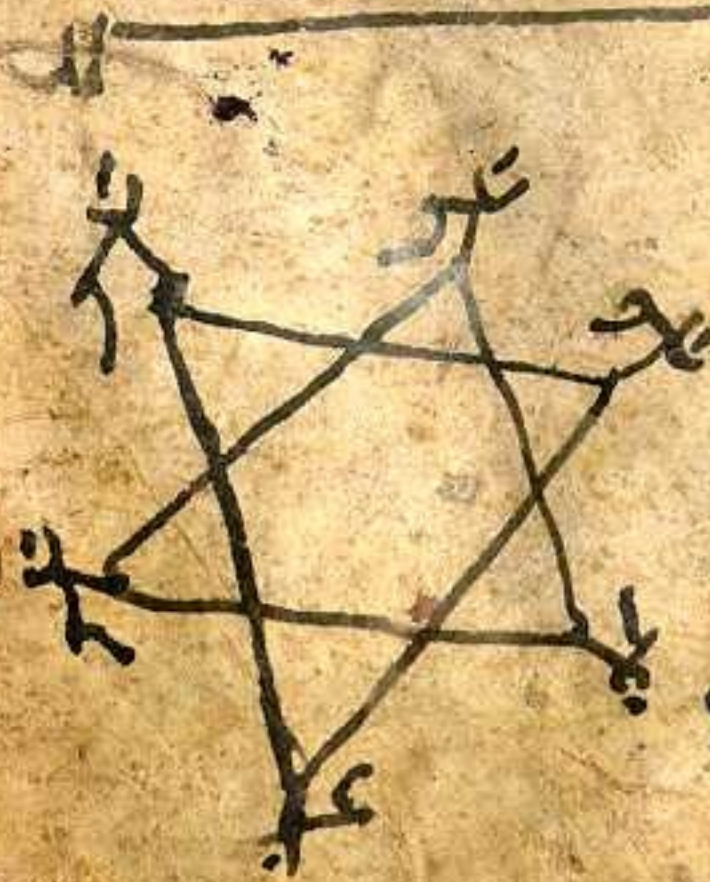
दधार्जुं फुदुस्वाहा ॥ धार १०८ जप वे ८ कमा पा नी ए
षी कर्द ले दुभा इतु फु कनु पुवा इतु कपा लु उः
षा मनी पे तहु पा प नी नी को हु ॥ ३ ॥ ॐ ते च न
ॐ नो गी ॐ न द्रा हुं फु दुः ॥ धार ३ नी मेली चला
वमी रवा स थ ने मी खा पा ते ज द यु ॥ ४ ॥ ॐ न मः पु
र्व पा छि म् उ व द मि नः पृ थिः सा ध्यं वा रा हा वा उ
ने गः ॐ हु आ ग्याः ॐ वे ग वे ह नु मं वा को वे ग च
लयः च व ष द ज ल थ ल ड ग ल ए म चं द्र की वे ग
फे फु द्दु स्वा हा ॥ धार ७ न प को प लः को ला छिः
पे ला हा क म् थ पा थ्या म् हु स प त म त ये ॥ ५ ॥

ॐ श्री ३ वीं द्या धर दिवी ॥ धार ५ जप गा ग जी र
का ये मं व ली म का से तो तेः मी सा या व त्च तो न फी
ये के उ ली ॥ ६ ॥ ॐ नो गी न मः ॐ चं हां ही अ म
कीः आ गं छे र जं नः ॥ धार ३२ जप ध्य मं व न जा कीः
स पा ध धार प ती की नाम का ये ग न चो व अ न द
यु वा ॥ ७ ॥ ॐ श्री ३ वीं द्या धर दिवी का मु नी का म
दे वा ए स्वा हा ॥ धार ३ जप वी र्ज पु वा व नु र वे से
क म् म् जा सु के मा प नी हु ॥ ८ ॥ ॐ नो गी अ गोर म् के
आ ग्याः वी र ग ने सा य न मो प क्ष वो आ ग्याः मी त्वः
दे व को आ ग्याः ती ध्रि व र्ज जो गी के आ ग्या फु ल
मं त्र ई त्थ र मा हा दे व की वा द्या ॥ धार १०८ जप

दूपा लुपा को सत्य कथने पी चक्रकः जं ब्याडु वा
 लन दुसोक धुने नी सस यजु रथः ॥
 जं बर्म जसी द्व ग्रहं भु ॐ ह्रीं श्रीं साक्षी द्वि अकां म
 चार नी स्वाहा ॥ धार १००० जप ग्रहं भुर्न जं बर्म जसी



जंत्रया मासाधः ॥ ॥ सु ल न्दे व भु र्न थ जं बर्म कृ कृ गौ लो
 च न् श्रीं धरु स म मा ग या ना के म्भु स वो या वः सी र स द या
 व चो न ह्म सी या थ जंत्र क न ल भ न सी ला व तो न के त न का
 ल म चो रु यु ॥ म चो म ड ह्म या त तो कु सा ग म वि स द यु व



धो जंत्र म जा प त त गौ लो च वो
 या वः पर्व सु त का र्ण वी र्य धु प
 थ ने को षा धे के स म ल
 ग्रामि

ॐ श्रीगुरु आग्याः ॐ वीर मुषीरुं फु द्रव्याहाः ॥ धारः

१० जपवीद्याजगाडन्यामीनः

ॐ श्रीगुरु आग्याः मप्रहेरुदेह हन हनद्रुं फु द्रव्याहा

हाः ॥ धारः ७ सीरमा जारनुमुत छुते ॥

ॐ श्रीगुरु आग्याः ॐ कनमईरवाय प्रव्याहा ॥ धा

रः ७ कानगरुनम

ॐ श्रीगुरु आग्याः मशमरेवा प्रव्याहाः ॥ धारः ७

पेतुगरुमर्मनः

ॐ श्रीगुरु आग्याः मीनाहर्द्रुं फु द्रव्याहाः धारः

१२ आगोलेप्राव्याको गारुमिनः

ॐ श्रीगुरु आग्याः सुक्रमुषीमिंगला प्रीता चोनेर
हीहीस्वाहाः ॥ धारः ७ धानीमिचानदीनरवीगा
रुजाहिः

ॐ श्रीगुरु आग्याः आनेनाहुं फु द्रव्याहाः ॥ धारः १२

आषाडुप्राको गारुमिनः

ॐ श्रीगुरु आग्याः अमिनेहेदे देव अमीत सस्तवा

प्रव्याहाः ॥ धारः ७ जपगारुकोपामिनः

ॐ श्रीगुरु आग्याः शिकालमरेवृ श्रीपचलीमरेवृ

शिकालमरेवृ श्रीवतुकमरेवृ ॥ धारः ५ जप

मुत छुते

होई ईश्वरी देवी की वाचा: चौदस ही नी की वाचा:

॥ धार ७ जप धार मान्नी मंत्र

ॐ स्वाहा के सी पारे समुद्र की प्राणा आध्यास
लो मा गा धा ही गुह अस्ता ज के: ॥ धा ३ जप सि

प्रो दे द न्या मंत्र

अ सी धि गुह आ ग्या: ई से वी से धो मे भा स:

धा ३ ला हा ते ३ धा: ना ला य धा ४ गा नु वा ३

सर्वा ग य्यु त जीव

हलद १ कत १ पीपली १ श्री १ जी: १ अजमु १

ई त्त मि १ सि धो १ थो ते सम मा ग्या ना ये ल म

त से तो न के म स प न के दी न २० ॥ य ला १ पीप

ली १: पु षे न दे व क क र्क ट। कु रु तो न के व य चा

व यामी:

अ सी धि गुह आ ग्या: ३ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

प्र न्या व ध ना म अ रु ह र त्वा हा: ॥ धा २ मु ह

थ ति या न लि ह न थ या त्र: नु ग ल म मी सा या ना

म वी या व: ध्या न पु या द्यो मी सा व स ३५:

फुलोको — वेलपत्रको सभाग — २०
 कोदिघोत्याको भाग — १ कहवातेल्मा
 ग — ४ एतीपितुलका भाडामा हालीकांसा
 का भाडाले घोऽनुर आषामालाई न फुलोर्जी
 छनेत्रे गसा फुईछि
 गंधक भाग — ४ मुष्ठावर भाग — २ लीला
 तुती भाग — १ हरीताल भाग — १ एतीस
 मभाग गरी पीनुर पायाका गत कोषरानी भाग
 नपाया मुसुराकोषरानी भाग गाईको घीई भाग
 १२ हालीष लगनुरे लावनः दिनार्ई कोई लाज होः॥

अफीमाग — १
 गंधक भाग — १
 वीकम भाग — १
 एमीलना भाग — १
 कलुरी भाग — १
 मरीचक भाग — १
 केसर भाग — १
 मोती चूर्ण भाग ५
 एतीरा विष पीनुर
 घाई चिया छति

मालीपनः जहर वात
 पनीली पीः पात लगाई
 काचुक मरुः जहर वा
 नीकोई छ
 पोसी मिया हा — १
 वरन्या हा — १
 हाकु हल — १
 काय हल — १
 हल — १
 हाकैया हा — १

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अस्तु ॥
 स्वाहा ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अंकनसर्वं रूपमसका एतन्नुवधामी स्वाहा ॥
 धार ॥ जपसायसी ह्यप्रकुंथने ॥ अस्तु
 सीपतीनामगुरु ^{स्वाहा ल कु ला म ५ प्र के}
 अतीताहुनीहु होजाहु मोदहुनी स्वाहा ॥
 धार ॥ १०८ तारं मंत्रदीपमजपयानात्र चोने
 जीवसकतायामीथो
 अंजुम स्वाहा ॥ धार १००००१८ ॥ मृत्युंजये
 मंत्र

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अस्तु ॥
 मेघापावर्चुना धर्मलालः ध्वजेन
 समस्तसारे वं मुषये वं पानरे वं ॥ अस्तु कीर्त्तनी
 गतासेमि गतीः फलमंत्र ईस्वरवाचा ॥ धार
 १ ॥ गोमया जपावन के मीता वस्य
 ॐ ता ए ती प्रर ह को मा र ह ए षो फुरे का धो जा
 व फुरा स मुद्र ह पार धार ज पा व मी षा प्र व प्रा प्र
 प्रजुल
 अं मी श्री स्य न प्राः अहो अहो द करि द करः प्रे पु
 मज्जा व र्ण ॥ सतलाय मंत्र धार २१ पुत्रे

नानुकी कछ हे पार करे ५: प्र चरे वासुकी
की पाहाइ जो चरे हे प्रभु मोहि सँकारो कछा
सा की ही सुधा ह ॥ ध्या २१ चा ज पाव वी हो
ले प्रेस लाय मंत्र ध

ॐ नमो वायु नमस्तुते ॥ ॐ ह्रीं प्रो ह्रीं दं मं यो
ह्रीं ॥ धर्म च न भुजा पत्र स यो या वलं पथ डग व
कले सथापना या पदे वध भुजा पत्र वी धी धु
दीप वी धान रक्षा पुजा या ना वधु कुती स त
प्रमन ईक्षा गली फोने सी धी फोने माल पाश का
धनु जु मुत्र

ॐ शुभ आ ग्याः शुकी पी डग हः ॥ प्रा ३ ध

माय्या प्रमंत्र ध
ॐ नमः श्री शुभ आप्याः उद्यां की नीः वल वं च
ल ३ मले छि सँ जगती यो मगती लाष सल सी
नः भुत पी स वाम ना ग रा ह्रीं फ प्र स्वाहा ॥ ध्या
६ पेत डुष्णा मर नी के ह्रीं

ॐ नमः श्री शुभ आप्याः सुज डग ज डमो ल्य मारे
षी ग र ह्रीं फ प्र स्वाहा ॥ ध्या ६ धूर का पाल
डुष्णा पनी भुत पी ला चला ग्या स वी ग

आग्नाः ॐ वन्न पानीय जसे नापत
अरेकरुत्वा हाः ॥ धा ८० चीकी जपलपात्र
पालीसतया थायः जी जो जर्न डाय फर प्र उ
लो

ॐ रु आग्नाः ॐ कामे हता कामे रता अग्ना
गुडगमपामुद्रामे सीता नु मेराः ॥ धा ८१ ईका
पकाजपलपात्रमि सायाना मकाया वरु प्र
मीसा वस्य नु प्र

ईकुरे गया पीतनीया र ही पीतया थ
मुस्तकर्म ६ चेतप मल म ६ यो ब्रह्मा त
ला ८ साषन बाला वन के म ३ ईकुरे गही
पीतपीतवीया र थ
डारल म १ बाल १ प्री प्रें १ घोर्द १ ये तो
चुर्न गरी म १ साषम ६ तया अस्ता दि सा
ई अलं म सतया वतो न के पीतची कु ना स
कुल लहा १ गु ना व १ व्या ल हा १ धाल के
वोधनी जा १ मुस्तक थ ते सम भाग या ना म
साषन बाला वन के ॐ गडु प्र को र क्त म

चासकासनास

स्वीभवचापुल्लसनीनाचीकंतप्रावपाय

सुजेवातनास

लाक्ष्मिस्वायाहःलक्ष्मनीनावनसुथनेक

गमोलस्याकनास

श्रीभवचामलेनीनानयमोकलगेजु

दीगफर्मपचाकुर्मइल्लसनीनामीसपा

प्रयानातोवकेशरागुवजुमाआएषलास

उई

लीहुरेहुरे

कुर्मेलुर्मइपातकुर्मइल्लवर्ष४

चर्म४जीफोर्म५जीर्म६पीपला

इकालवातुर्म१६तपकेसरर्म७सावर्म

इरयेतीचुर्नगरीगोलीययकेमरु

पुनर्नकेचीकुजोरनासमुदोषनास

मेथीआधाकाचोआधापाकोगरापीन

फेरितोचीउमामुतनतीनषदमायेक

यचीनीराभीमीलाइगोलीपारीपान

वलजोरनासः

३७.१८८

स्त २ पुत्रा को जा की अस्ता २ च
पुत्र अस्ता १ सा ३ ३ सोही ता कु
पुत्र फल वी यान के रक्त पीत नास
फल १ चकत १ चेतक १ मुस्तक १ वी
पानु १ सीधो नु १ प्रेती सम भाग गरी
लप प्रयकाः वही छुठत मे का गली पफे से
तान के मे भुः था कया स्व ठ वा २ याना सः
तालीस १ मीपी १ कुत १ चकत १ लप्री ता व
१ मुक मे ल १ मप के म १ पातक १ कुमहा

१ २ तीस मया ग गरी ती प्रपती व
चीनी एषी सा गुः पीत मुल नासः

